



LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

Previous Year Paper

S. no	Name of Act	QUESTION No.
1.		
2.	Constitution of India	12,13,65
3.	Code of Civil Procedure, 1908	14-16
4.	Code of Criminal Procedure	36-38, 41, 44, 62
5.	Indian Evidence Act, 1872,	4, 42-43, 61, 63-64
6.	Contract Act, 1872	6, 9-10
7.	Partnership Act	
8.	Limitation Act, 1963	7, 23-24
9.	Specific Relief Act, 1963	18
10.	Transfer of Property Act, 1882	17, 20-21
11.	Indian Penal Code, 1860	39-40, 56, 67-70
12.	Sale of goods Act	
13.	Negotiable Instrument Act, 1881	45-47
14.	Law of Torts	
15.	Narcotic Drugs and Psychotropic Substances	58
16.	Interpretation of statute	
17.	Probation of Offenders Act	50
18.	Juvenile Justice Act	59-60
19.	Protection of Women from Domestic Violence Act	30
20.	Information Technology Act	48, 52-53, 55
21.	Rajasthan Rent Control Act, 2001	8, 31
22.	Motor Vehicles Act, 1988	
23.	Arbitration and Conciliation Act, 1996	22
24.	Rajasthan Land Revenue Act, 1956	33
25.	Rajasthan Tenancy Act, 1955	32
26.	Hindu Law (Hindu succession Act, Hindu Adoption and Maintenance, Hindu Marriage Act, Hindu Minority and Guardianship Act)	26-29
27.	Muslim Law	35
28.	Legal Services Authorities Act	25
29.	Raj Guaranteed delivery of public services Act	
30.	Raj right to hearing act	11
31.	Rajasthan Panchayati Raj Act	
32.	Rajasthan Municipalities Act	
33.	Raj Agricultural Credit Operations Act,	1
34.	Raj Court Fees & Suits Valuation Act,	2
35.	Rajasthan Stamp Act, 1998	3
36.	Registration Act, 1908	5, 19
37.	Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012,	49, 51
38.	Raj relief of agricultural indebtedness Act	
39.	General rules(civil)	34
40.	General rules(criminal)	66
41.	Electricity Act, 2003	54
42.	SC/ST (Prevention of Atrocities) Act	57
43.	Easements Act, 1882	
44.	Legal maxim	



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws
👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



RJS PRELIMS 2015

- राजस्थान कृषि ऋण संक्रिया (कठिनाईयों का निराकरण) अधिनियम, 1974, के अन्तर्गत बैंक किसी कृषक द्वारा प्राप्त की गई वित्तीय सहायता की देय की वसूली, किसी कृषक या उसके उत्तराधिकारी या विधिक प्रतिनिधि या उसके प्रतिभू से करने के लिए आवेदन पेश कर सकता है:/Under the provisions of the Rajasthan Agricultural Credit Operations (Removal of difficulties) Act, 1974, a Bank can recover its dues from any agriculturist or his heir or legal representative or his guarantor on account of financial assistance availed of by the agriculturist by making an application to:

 - जिला न्यायाधीश को/District Judge
 - उच्च न्यायालय को/High Court
 - विहित प्राधिकारी को/Prescribed Authority
 - उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]
- राजस्थान न्यायालय फीस तथा वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961, की धारा 35 के अन्तर्गत अविभक्त कुटुम्ब की सम्पत्ति का विभाजन एवं हिस्से के पृथक कब्जे के बाद में ऐसे वादी द्वारा जिसे सम्पत्ति पर कब्जे से अलग कर दिया गया है, न्यायालय फीस देनी होगी:/Under Section 35 of the Rajasthan court Fees and suits valuation Act, 1961, in a suit for partition and separate possession of a share in joint family property by a plaintiff, who has been excluded from possession
- of such property, court fee shall be:-

 - निश्चित दर अनुसार/paid at fixed rate
 - सम्पत्ति में वादी के हिस्से के बाजार मूल्यानुसार संगणित कर/computed on the market value of the plaintiff's share of the property
 - वादी की इच्छानुसार/at the discretion of the plaintiff
 - प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत जवाबदावे पर आधारित/based on written statement of the defendant

[b]
- राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998, के अन्तर्गत निरमुक्ति पत्र पर, किसी प्रतिकूल करार के अभाव में, उचित स्टाम्प की व्यवस्था करने का खर्च निम्न द्वारा वहन किया जावेगा:/Under the Rajasthan Stamp Act, 1998, in case of a release-deed, in the absence of an agreement to the contrary, the expense of providing the proper stamp shall be borne by:

 - हिताधिकारी द्वारा/the beneficiary
 - निरमुक्ति पत्र को लिखने वाले, बनाने वाले या निष्पादित करने वाले द्वारा/the person drawing, making or executing the release-deed
 - दोनों पक्षकारों द्वारा बराबर हिस्सों में/by both the parties in equal shares
 - उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above

[b]
- यदि एक दस्तावेज सम्यक रूप में स्ताम्पित नहीं है एवं जहाँ उक्त दस्तावेज को साक्ष्य में ग्रहित कर लिया गया है, उक्त साक्ष्य के ग्रहण को:/If





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

an instrument has not been duly stamped and where such an instrument has been admitted in evidence, such admission:

(a) उसी वाद या प्रक्रिया के किसी भी प्रक्रम पर प्रश्नगत किया जा सकता है/can be called in question at any stage of the same suit or proceeding

(b) राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 की धारा 71 में यथा उपबंधित के सिवाय, उसी वाद या प्रक्रिया के किसी भी प्रक्रम पर प्रश्नगत नहीं किया जा सकता है/shall not be called in question at any stage of the same suit or proceeding except as provided for by Section 71 of the Rajasthan Stamp Act, 1998

(c) विरोधी पक्ष के विवेकानुसार प्रश्नगत किया जा सकता है/at the discretion of the opposite party can be called in question

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [b]

5. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, के अन्तर्गत एक वसीयत को निम्न में से किसके द्वारा रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है:/Under the Registration Act, 1908 a will can be presented for registration before the Registrar or Sub Registrar by:

(a) वसीयतकर्ता द्वारा/the testator

(b) वसीयतकर्ता की मृत्यु के पश्चात वसीयत के अधीन निष्पादक या अन्यथा दावा करने वाले व्यक्ति द्वारा/after death of testator, any person claiming as executor or otherwise under a will

(c) उक्त (a) एवं (b) दोनों द्वारा/both (a) and (b)

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [c]

6. दो पक्षकारों ने संविदा की। बाद में यह ज्ञात हुआ कि कानून जिसे वे लागू समझ रहे थे, भारत में लागू नहीं था। इस तथ्य से उनकी संविदा हो जाएगी:/Two parties entered into a contract. They later realised that the law as they understood as applicable was not in force in India. This makes their contract:

(a) अवैध/illegal

(b) शून्य/void

(c) शून्यकरणीय/voidable

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [b]

7. भारतीय परिसीमा अधिनियम, 1963, में वाद या प्रार्थना पत्र के लिए अभिनिर्धारित परिसीमा के गुजरने के बाद की गई अभिस्वीकृति:/Acknowledgement after the expiration of the period prescribed under the Indian Limitation Act, 1963, for a suit or application:

(a) का कोई प्रभाव नहीं है/is of no effect

(b) स्वतंत्र एवं प्रवर्तनीय संविदा को उत्पन्न करती है/gives rise to an independent & enforceable contract

(c) बहुत मूल्यवान है/is of great value

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [a]

8. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001, की धारा 9 के अन्तर्गत दायर याचिका के निस्तारण हेतु समय सीमा है:/Time limit



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



for disposal of a petition filed under Section 9 of Rajasthan Rent Control Act, 2001 is:-

- (a) किरायेदार पर नोटिस की तामील के दो सौ चालीस दिन के भीतर/within the period of two hundred and forty days from the date of service of notice on the tenant
- (b) किरायेदार पर नोटिस की तामील के बारह माह के भीतर/within the period of twelve months from the date of service of notice on the tenant
- (c) किरायेदार पर नोटिस की तामील के छः माह के भीतर/within the period of six months from the date of service of notice on the tenant
- (d) कोई समयावधि नहीं/no limitation [a]

9. साझेदारों के मध्य हुई संविदा के अध्यक्षीन साझेदारी फर्म विघटित होगी:/Subject to contract between the partners, a firm is dissolved:

- (a) यदि वह किसी नियत अवधि के लिए गठित की गई हो तो उस अवधि के अवसान पर/if constituted for a fixed term, by the expiry of that term
- (b) यदि वह एक या अधिक प्रोद्यमों या उपक्रमों को चलाने के लिए गठित की गई हो तो उसके या उनके पूर्ण हो जाने पर/if constituted to carry out one or more adventures or undertakings, by the completion thereof
- (c) किसी भागीदार की मृत्यु हो जाने पर/by the death of a partner
- (d) उपरोक्त सभी/all the above [d]

10. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 में खोये हुए माल को पाने वाला है:/Finder of lost goods under Indian contract Act, 1872 is a:

- (a) उपनिधाता/bailor
- (b) प्रतिभू/surety
- (c) उपनिहिती/bailee
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [c]

11. राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012, के अन्तर्गत परिवाद किस शिकायत के संबंध में दर्ज कराया जा सकता है:/Under Rajasthan Right to Hearing Act, 2012, a complaint can be filed regarding grievance relating to:

- (a) लोक सेवक के सेवा संबंधी मामले/the service matters of a public servant
- (b) ऐसे मामले, जिनमें न्यायालय अथवा न्यायाधिकरण को क्षेत्राधिकार है/any matter in which any Court or Tribunal has jurisdiction
- (c) सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत कोई मामला/any matter under Right to Information Act, 2005
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [d]

12. निम्न में से किस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह धारित किया गया है कि विपरीतलिंगी समुदाय के सदस्य, जो जन्म के समय न तो पुरुष है और न महिला है, उनके मूलभूल और अन्य कानूनी, सामाजिक और आर्थिक अधिकार, जो संविधान द्वारा प्रत्याभूत है, के संरक्षण हेतु एवं उचित रूप से प्रवर्तन हेतु उन्हें तृतीय लिंग के रूप में मान्यता प्रदान की?/In which of the following cases has the Supreme Court ruled that the





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

members of the Transgender Community who are neither male nor female, at the time of birth, are recognized as 'Third Gender' for the purpose of safeguarding and enforcing appropriately their fundamental and other legal, social and economic rights guaranteed under the constitution?

- (a) रामबिलास सिंह बनाम बिहार राज्य- एआईआर 1989 एससी1593/Rambilas singh vs. State of Bihar - AIR 1989 SC 1593
(b) लीली थोमस बनाम भारत संघ (2013) 7 एससीसी 653/Lily Thomas Vs. Union of India - (2013) 7 SCC 653
(c) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ (2014) 5 एससीसी 438/National Legal Services Authority vs. Union of India - (2014) 5 SCC 438
(d) उपरोक्त में कोई नहीं/None of the above [c]

13. शिक्षा के अधिकार का उपबन्ध करने वाले अनुच्छेद 21-क को संविधान में अन्तर्विष्ट किया गया:/Article 21-A providing for Right to Education was inserted in the constitution by:

- (a) संविधान (छियासी वां संशोधन) अधिनियम, 2002 द्वारा/the Constitution (Eighty Sixth Amendment) Act, 2002
(b) संविधान (इकरानवे वां संशोधन) अधिनियम, 2003 द्वारा/the Constitution (Ninety First Amendment) Act, 2003
(c) संविधान (बानवे वां संशोधन) अधिनियम, 2003 द्वारा/the Constitution (Ninety Second Amendment) Act, 2003

(d) संविधान (चौरासी वां संशोधन) अधिनियम, 2001 द्वारा/the constitution (Eighty Fourth Amendment) Act, 2001 [a]

14. जहाँ तक सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, की धारा 20 का संबंध है, निम्न में से कौनसा कथन सही है?/Which of the following is correct statement in so far as Section 20 of the Code of civil Procedure, 1908, is concerned?

- (a) वाद को उस निम्नतम श्रेणी के न्यायालय में संस्थित किया जाना चाहिए, जो उसका विचारण करने में सक्षम हो/The suit has to be instituted in the court of the lowest grade competent to try it
(b) वाद उस न्यायालय में संस्थित किया जावेगा, जिसकी स्थानीय सीमाओं के क्षेत्राधिकार में प्रतिवादी वास्तविक और स्वैच्छिक रूप से निवास करता है या कारोबार करता है या अभिलाभ के लिए स्वयं काम करता है/The suit has to be instituted in the court within the local limits of whose jurisdiction the defendant actually and voluntarily resides or carries on business or personally works for gain
(c) वाद उस न्यायालय में संस्थित किया जावेगा, जिसकी स्थानीय सीमाओं के क्षेत्राधिकार में वाद हेतुक पूर्णतया या भागतः उत्पन्न होता है/The suit has to be instituted in the court within the local limits of whose jurisdiction, the cause of action wholly or in part arises
(d) उपरोक्त सभी सत्य है/All the above are correct [d]

15. निम्न में से किस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा सिविल प्रक्रिया संहिता संशोधन अधिनियम, 1999 एवं 2002 की वैधता को



जायज ठहराया?/In which of the following cases, did the Supreme Court uphold the validity of the code of civil Procedure Amendment Acts of 1999 and 2002?

- (a) देहली हाईकोर्ट बार एसोसियेशन बनाम भारत संघ/Delhi H.C. Bar Association Vs. UOI
(b) इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसियेशन बनाम भारत संघ/Allahabad H.C. Bar Association Vs. VOI
(c) सेलम एडवोकेट बार एसोसियेशन बनाम भारत संघ/Salem Advocate Bar Association Vs. UOI
(d) पंजाब एण्ड हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसियेशन बनाम भारत संघ/P & H H.C. Bar Association Vs. UOI [c]

16. न्यायालय द्वारा पारित निम्न में से किस आदेश के विरुद्ध सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश xLIIT के अन्तर्गत अपील होगी:/An Appeal under Order XLIII of Code of Civil Procedure shall lie from which of the following orders:

- (a) आदेश VII नियम 11 के अन्तर्गत वादपत्र को नामंजूर किया जाना/Rule-11 of Order VII, rejecting the plaint
(b) आदेश XXII नियम 9 के अन्तर्गत वाद के उपशमन अथवा खारिजी को अपास्त किये जाने से इन्कार करना/Rule-9 of order XXII, refusing to set aside the abatement or dismissal of suit
(c) आदेश VIII नियम 1 के अन्तर्गत प्रतिवादी को जवाबदावा प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देना/Rule-1 of order VIII, not permitting the defendant to present the written statement
(d) आदेश XIV नियम 5 के अन्तर्गत किसी भी पक्षकार की प्रार्थना पर विवाद्यक को काटने से मना

करना/Rule-5 of Order XIV, refusing to strike out the issue at the instance of either of the parties [b]

17. कथन 'क'- जहां किसी भवन के साथ ही, उस तक या उसके लिए पहुंच और प्रकाश या वायु के प्रयोग का, सुखाचार के रूप में बिना रूकावट के और 20 वर्ष तक शांतिपूर्वक उपयोग किया गया है, वहाँ ऐसी पहुंच और प्रकाश या वायु के प्रयोग का अधिकार पूर्ण होगा।

कथन 'ख'- भूमि के खुले के लिए प्रकाश या वायु के अबाध मार्ग का अधिकार चिरभोग के द्वारा अर्जित नहीं किया जा सकता है।

Statement 'A' - where the access and use of light or air to and for any building have been peaceably enjoyed therewith, as an easement, without interruption, and for twenty years, the right to such access and use of light or air shall be absolute.

Statement 'B' - A right to the free passage of light or air to an open space of ground, cannot be acquired by prescription.

- (a) कथन 'क' सही है/statement 'A' is correct
(b) कथन 'ख' सही है/statement 'B' is correct
(c) दोनों कथन सही है/Both statements are correct
(d) दोनों कथन असत्य है/Both statements are incorrect [c]

18. निम्न में से कौनसा कथन सही है?/Which of the following statement is correct?

- (a) अचल सम्पत्ति के अंतरण के लिए की गई संविदा की विनिर्दिष्ट पालन के लिए दायर किये गये





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

वाद में न्यायालय सम्पत्ति का बंटवारा एवं पृथक कब्जा नहीं दे सकती/In a suit for specific performance of a contract for transfer of immovable property, the court cannot grant partition and separate possession of the property

(b) अचल सम्पत्ति के अंतरण के लिए की गई संविदा की विनिर्दिष्ट पालन के लिए दायर किये गये वाद में वादी वैकल्पिक रूप से अग्रिम धन अथवा निक्षेप का प्रतिदाय नहीं मांग सकता है/In a suit for specific performance of a contract for transfer of immovable property, the plaintiff cannot alternatively ask for the refund of earnest money or deposit made by him

(c) न्यायालय संविदा की विनिर्दिष्ट पालना से इंकार करते हुए वादी द्वारा अदा किया गया अग्रिम धन का प्रतिदाय नहीं दिला सकती, जब तक कि विशेष रूप से दावा नहीं किया गया हो/The court while refusing to grant specific performance of the contract, cannot grant refund of earnest money paid by the plaintiff, unless it has been specifically claimed

(d) उपरोक्त सभी सही है/All the above are correct [c]

19. निम्न में से कौन-से दस्तावेज का पंजीयन अनिवार्य नहीं है?/Which of the following documents is not required to be compulsorily registered ?

(a) 100/- रुपये या उससे अधिक मूल्य की अचल सम्पत्ति में स्वत्व या हित को उत्पन्न करने वाला या घोषित करने वाला दस्तावेज/Instruments creating or declaring right, title or interest to or in immovable property of rupees one hundred and upwards

(b) अचल सम्पत्ति की वसीयत/wills in respect of immovable property

(c) अचल सम्पत्ति का एक वर्ष से अधिक अवधि का पट्टा/Leases of immovable property for a term exceeding one year

(d) न्यायालय की ऐसी डिक्री जो 100/- रुपये या उससे अधिक मूल्य की अचल सम्पत्ति में अधिकार उत्पन्न करने का आशय रखती है, को अंतरित करने का दस्तावेज/Instruments transferring any decree of a court when such decree purports to create right in immovable property of rupees one hundred and upwards [b]

20. निम्न में से किस बंधक में बंधककर्ता को बंधक सम्पत्ति का कब्जा बंधकदार को सुपुर्द करना आवश्यक है?/In which of the following mortgages, the mortgagor is required to deliver possession of the mortgaged property to the mortgagee?

(a) अंग्रेजी बंधक/English mortgage

(b) सशर्त विक्रय द्वारा बंधक/Mortgage by conditional sale

(c) भोग बंधक/Usufructuary mortgage

(d) विलक्षण बंधक/Anomalous mortgage [c]

21. कथन 'क' - अचल सम्पत्ति का प्रत्येक अंतरण, जो अंतरक के लेनदारों को असफल अथवा विलम्बित करने के आशय से किया गया हो, शून्य है।

कथन 'ख' - अचल सम्पत्ति का बिना प्रतिफल प्रत्येक अंतरण जो पश्चातवर्ती अंतरिती को धोखा देने के आशय से किया गया है, शून्य है।

Statement 'A' - Every transfer of immovable property made with intent to defeat or delay the creditors of the transferor is void.



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

📞 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



Statement 'B' - Every transfer of immovable property made without consideration with intent to defraud a subsequent transferee is void.

- (a) कथन 'क' सही है/Statement 'A' is correct
 (b) कथन 'ख' सही है/Statement 'B' is correct
 (c) दोनों कथन सही है/Both statements are correct
 (d) दोनों कथन गलत है/Both statements are incorrect [d]

22. जहां तक माध्यस्थम् और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 9 का संबंध है, निम्न में से कौनसा कथन सही है?/Which of the following statement is correct, so far as Section 9 of the Arbitration and conciliation Act, 1996 is concerned?

- (a) केवल माध्यस्थम कार्यवाही के लम्बित रहने के दौरान ही एक पक्षकार अन्तरिम उपाय के लिए न्यायालय को आवेदन कर सकता है/A party may apply to the court for interim measures during the pendency of the arbitration proceedings only
 (b) माध्यस्थम अधिकरण द्वारा पंचाट पारित करने के बाद भी एक पक्षकार अंतरिम उपाय के तौर पर रिसीवर नियुक्त करने के लिए न्यायालय को आवेदन कर सकता है/A party may apply to the court seeking appointment of receiver by way of interim measures even after the making of the arbitral award by the Arbitral Tribunal
 (c) माध्यस्थम कार्यवाही प्रारम्भ होने से पूर्व एक पक्षकार अंतरिम उपाय के लिए न्यायालय को आवेदन नहीं कर सकता है/A party cannot

apply for interim measures before the commencement of arbitral proceedings

(d) उपरोक्त सभी सही है/All the above are correct [b]

23. जब किसी अन्य समय सीमा का प्रावधान नहीं हो उस स्थिति में परिसीमा अधिनियम, 1963 के अनुच्छेद 137 में निम्न में से प्रस्तुत करने हेतु तीन साल की अवधि निर्धारित है:/The period of three years is prescribed under Article 137 of the Limitation Act, 1963, in case where no other period of Limitation is provided for filing any:-

- (a) दावा/suit
 (b) अपील/Appeal
 (c) प्रार्थना पत्र/Application
 (d) कार्यवाही/Proceeding [c]

24. कथन 'क'- किसी अपील की परिसीमाकाल की संगणना करने में वह दिन अंतर्विष्ट किया जावेगा, जिससे ऐसी परिसीमा काल की गणना की जाती है।

कथन 'ख'-किसी अपील की परिसीमाकाल की संगणना करने में जिस दिन परिवादित निर्णय सुनाया गया था और प्रतिलिपी अभिप्राप्त करने के लिए अपेक्षित समय अपवर्जित कर दिया जावेगा।

Statement 'A' - In computing period of limitation for any appeal, the day from which such period is to be reckoned, shall be included.

Statement 'B' - In computing period of Limitation for any appeal, the day on which the judgment complained of was pronounced and the time requisite for obtaining the



copy of the decree shall be excluded.

- (a) कथन 'क' सही है/statement 'A' is correct
(b) कथन 'ख' सही है/statement 'B' is correct
(c) दोनों कथन सही है/Both are correct
(d) दोनों कथन गलत है/Both are incorrect
[b]

25. विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-सी के अनुसार निम्न में से कौनसा कथन सही है?/Which of the following is correct as per Section 22-c of the Legal Services Authority Act, 1987?

- (a) विवाद को न्यायालय में लाने के पश्चात विवाद का एक पक्षकार विवाद के निपटारे के लिए स्थाई लोक अदालत को आवेदन कर सकता है/Any party to a dispute may, after the dispute is brought before any court, make an application to the Permanent Lok Adalat for the settlement of dispute
(b) किसी विधि के अन्तर्गत अशमनीय अपराध से संबंधित किसी प्रकरण के संबंध में स्थाई लोक अदालत के पास कोई अधिकारिता नहीं होगी/The Permanent Lok Adalat shall not have the jurisdiction in respect of any matter relating to an offence not compoundable under any law
(c) स्थाई लोक अदालत के पास उस मामले में ही अधिकारिता होगी जहां विवाद में सम्पत्ति का मूल्य रूपये दस लाख से अधिक हो/The Permanent Lok Adalat shall have the jurisdiction only in such matter where the value of the property in dispute is more than ten lakh rupees

(d) उपरोक्त सभी सही है/All the above are correct
[b]

26. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 11 के अन्तर्गत विवाह को अकृत्य एवं शून्य घोषित किया जा सकता है, यदि:/Under Section 11 of the Hindu Marriage Act, 1955, the marriage may be declared null and void if:

- (a) पक्षकार प्रतिषिद्ध नातेदारी की डिग्रीयों में हो/the parties are within the degrees of prohibited relationship
(b) चित्त विकृत के परिणामस्वरूप कोई एक पक्षकार विवाह के समय विधिमान्य सहमति देने में असमर्थ हो/at the time of the marriage, one of the parties was incapable of giving a valid consent to it in consequence of unsoundness of mind
(c) कोई एक पक्षकार को विवाह के समय उन्मत्तता के बार बार दौरे आते हो/at the time of the marriage, one of the parties was subject to recurrent attacks of insanity
(d) उपरोक्त सभी परिस्थितियों में/in all the above circumstances
[a]

27. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 के पश्चात मिताक्षरा विधि द्वारा शासित हिन्दू परिवार में सहदायिक की पुत्री:/After the Hindu succession (Amendment) Act, 2005, the daughter of a coparcener in a Joint Hindu family governed by the Mitakshara law:

- (a) को सहदायिकी सम्पत्ति में कोई अधिकार नहीं होगा/shall have no right in the coparcenary property





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

(b) जन्म से सहदायिक नहीं बन सकती है/cannot become a coparcener by birth

(c) पुत्र की तरह उसी रीति में जन्म से उसके अपने अधिकार में सहदायिक होगी/shall become a coparcener by birth in her own right in the same manner as the son

(d) सम्पूर्ण सहदायिकी सम्पत्ति का व्ययन करने की अधिकारिणी होगी/shall be entitled to dispose of the entire coparcenery property [c]

28. निम्न में से कौनसा गलत है?/Which of the following is incorrect?

(a) हिन्दू विवाहिता लडकी का प्राकृतिक संरक्षक उसका पति होता है/The husband is the natural guardian of a Hindu married girl

(b) हिन्दू नाबालिग पुत्र के दत्तक-ग्रहण के पश्चात उसका पिता लगातार उसका प्राकृतिक संरक्षक बना रहता है जब तक कि वह वयस्कता प्राप्त नहीं कर लेता/After the adoption of Hindu minor son, his father continues to remain his natural guardian till he attains majority

(c) हिन्दू अवयस्क बालक का प्राकृतिक संरक्षक उसका पिता होता है और उसके पश्चात माता होती है लेकिन पांच वर्ष तक की उम तक अवयस्क की अभिरक्षा सामान्यतः माता के पास रहेगी/The natural guardian of a Hindu minor child is the father, and after him the mother, but custody of minor upto the age of five years shall ordinarily be with the mother

(d) अधर्मज हिन्दू अवयस्क लड़के की प्राकृतिक संरक्षक माता होती है और उसके पश्चात पिता होता है/The natural guardian of an

illegitimate Hindu minor boy is the mother, and after her, the father

[b]

29. एक हिन्दू पत्नी अपने पति की मृत्यु के पश्चात अपने ससुर से भरण पोषण निम्न विधि में प्राप्त करने की अधिकारिणी है:/A Hindu wife is entitled to claim maintenance after the death of her husband from her father-in-law under:

(a) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 25 के अन्तर्गत/Section 25 of the Hindu Marriage Act, 1955

(b) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 24 के अन्तर्गत/Section 24 of the Hindu Marriage Act, 1955

(c) हिन्दू दत्तक तथा भरण पोषण अधिनियम, 1956 की धारा 19 के अन्तर्गत/Section 19 of the Hindu Adoptions and Maintenance Act, 1956

(d) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 10 के अन्तर्गत/Section 10 of the Hindu Succession Act, 1956 [c]

30. घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 2 (थ) में 'प्रत्यर्थी' से अभिप्रेत और उसमें शामिल है:/As per section 2(q) of the Protection of women from Domestic violence Act, 2005, "respondent" means and includes:

(a) कोई व्यक्ति जो व्यथित व्यक्ति की घरेलू नातेदारी में है और जिसके विरुद्ध व्यथित व्यक्ति ने इस अधिनियम के तहत कोई अनुतोष चाहा है/any person, who is in a domestic relationship with the aggrieved person and against whom the



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

📞 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

aggrieved person has sought relief under the Act

(b) विवाह की प्रकृति की किसी नातेदारी में रहने वाली कोई व्यथित महिला का पुरुष साथी/male partner when aggrieved female is living in a relationship with him in the nature of a marriage

(c) व्यथित पत्नी के पति के महिला नातेदार, जिन्हें सांझी ग्रहस्थी से हटाना चाहा जा रहा है/the female relatives of the husband of the aggrieved wife, seeking their removal from the shared household

(d) उक्त में से कोई नहीं/none of the above

[b]

31. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001, की धारा 3 के अनुसार उसके अध्याय II और III लागू नहीं होते हैं:/As per section 3 of the Rajasthan Rent control Act, 2001, the chapter II and III thereof do not apply to:

(a) परिसरों पर, जो इस अधिनियम के प्रारम्भ के पश्चात पंजीकृत विलेख के जरिये दो साल की अवधि के लिए किराये पर दिये गए हो/the premises, let out after the commencement of the Act for a period of two years through a registered deed

(b) ऐसे परिसरों पर, जो बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, जिनकी चुकता अंश पुंजी एक करोड़ रुपये से कम हो, को किराया दी गई है/the premises, let out to the multinational company having paid up share capital of less than rupees one crore

(c) परिसरों, जो जयपुर नगरपालिका क्षेत्र में आवासीय उद्देश्य से चार हजार रुपये मासिक किराये पर दिया गया हो/the premises, let out for residential purposes, the monthly rent whereof is rupees four

thousand in case of the premises situated in the Municipal area of Jaipur city

(d) परिसर, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत परिभाषित राजकीय कम्पनी के हो/the premises belonging to the Government company as defined under the Companies Act, 1956 [d]

32. जहां तक राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 की धारा 242 का संबंध है, निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?/Which of the following statements is not correct, so far as Section 242 of the Rajasthan Tenancy Act, 1955 is concerned?

(a) दीवानी न्यायालय कृषि भूमि में काश्तकारी अधिकारों के संबंध में विवाद्यक की रचना करके अभिलेख को समुचित राजस्व न्यायालय को केवल उस विवाद्यक पर निर्णय हेतु भेज सकता है/civil court can frame the issue with regard to the tenancy rights in agricultural land and submit the record to the appropriate revenue court for the decision on that issue only

(b) दीवानी न्यायालय, प्रेषित विवाद्यक पर राजस्व न्यायालय द्वारा दिये गये निष्कर्ष को स्वीकार कर सकता है अथवा नहीं कर सकता है/civil court may or may not accept the finding of revenue court on the issue referred to it

(c) राजस्व न्यायालय का, उसे प्रेषित किये गये विवाद्यक पर निर्णीत मत, अपील के अभिप्रायों के लिए, दीवानी न्यायालय के निर्णीत मत का अंग समझा जावेगा/The finding of the revenue court on the issue referred to it, shall be deemed to be part of the finding



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

of civil court for the purposes of Appeal

(d) राजस्व न्यायालय को प्रेषित विवाद्यक को दीवानी न्यायालय निर्णीत नहीं कर सकता है/civil court cannot decide the issue which was referred to the revenue court

[b]

33. राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 23 सपठित अनुसूची प्रथम के अन्तर्गत निम्न में से कौनसा न्यायिक मामला नहीं है?/Which of the following is not the judicial matter under Section 23 read with the First schedule to the Rajasthan Land Revenue Act, 1956?

- (a) अनाधिकृत कब्जे का नियमितीकरण/Regularisation of unauthorised occupation
(b) चारागाह भूमि पर पशुओं को चराने के अधिकार से संबंधित विवाद/A dispute with respect to the right of grazing cattle on pasturage land
(c) सीमा विवादों का निपटारा/Settlement of boundary disputes
(d) उत्तराधिकार पर नामान्तरण/Mutation upon succession

[a]

34. सामान्य नियम (दीवानी), 1986 बनाये गये हैं:/The General Rules (Civil), 1986 have been framed:

- (a) भारत के संविधान के अनुच्छेद 227 के अन्तर्गत राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा/by the Rajasthan High Court under Article 227 of the constitution of India
(b) भारत के संविधान के अनुच्छेद 166 के अन्तर्गत राज्यपाल द्वारा/by the Governor

under Article 166 of the Constitution of India.

(c) भारत के संविधान के अनुच्छेद 229 के अन्तर्गत मुख्य न्यायाधीश द्वारा/by the Chief Justice under Article 229 of the Constitution of India.

(d) भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा/by the State Government under Article 309 of the Constitution of India.

[a]

35. निम्न में से कौनसा मुस्लिम विधि में दान का आवश्यक तत्व नहीं है:/Which of the followings is not an essential ingredient of gift under the Mohammedan law :

- (a) दानदाता द्वारा दान की घोषणा/a declaration of gift by the donor
(b) दानग्रहिता या उसकी ओर से दान की अभिव्यक्त एवं विवक्षित स्वीकृति/acceptance of gift, expressed or implied, by or on behalf of donee
(c) दानदाता द्वारा दान की जाने वाली विषय वस्तु का कब्जा दानग्रहिता को सौंपा जाना/delivery of possession of the subject gift by the donor to the donee
(d) दान का लिखित विलेख/a written deed of gift

[d]

36. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 82 व 83 के अनुसार निम्न में से कौनसा विधि का सही वक्तव्य है?/Which of the following is correct statement of law as per sections 82 and 83 of the Code of Criminal Procedure 1973?

(a) न्यायालय किसी अभियुक्त को धारा 82 के अन्तर्गत फरार घोषित करने से पूर्व उसकी सम्पत्ति की कुर्की का आदेश दे सकता है/The court



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

may order attachment of property belonging to an accused before declaring him a proclaimed person under Section 82

(b) न्यायालय किसी व्यक्ति को धारा 82 के अन्तर्गत उसे अपने सम्मुख प्रस्तुत करने हेतु लिखित उद्घोषणा को प्रकाशित होने के पश्चात उसकी सम्पत्ति की कुर्की का आदेश दे सकता है/The court may order attachment of property of a person after publication of a written proclamation under Section 82 requiring him to appear before it

(c) न्यायालय किसी व्यक्ति की सम्पत्ति की कुर्की का आदेश दे सकता है, भले ही उसे फरार अभियुक्त घोषित किया गया हो या नहीं/The court may order attachment of property of a person regardless of whether or not he has been declared proclaimed offender

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]

37. मजिस्ट्रेट द्वारा की गई निम्नलिखित में से कौनसी अनियमितताएं, जिसके लिए वह विधि द्वारा सशक्त नहीं है, कार्यवाही को दूषित करती है?/Which of the following irregularities of a Magistrate, not empowered by law to do so, vitiates the proceedings?

(a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 176 के तहत की गई जांच/To hold inquiry under Section 176 code of criminal procedure

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 192 की उपधारा (2) के अधीन किसी मामले को हवाले करना/To make over a case under Sub-Section (2) of Section 192 code of criminal procedure

(c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 190 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन किसी अपराध का प्रसंज्ञान करना/To take cognizance of an offence under clause (c) of sub-section (1) of Section 190 of the code of criminal procedure

(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 306 के अधीन सह-अपराधी को क्षमादान करना/To tender pardon to accomplice under Section 306 of the code of criminal procedure

[c]
38. मजिस्ट्रेट द्वारा की गई निम्नलिखित में से कौनसी अनियमितताएं, जिसके लिए वह विधि द्वारा सशक्त नहीं है, कार्यवाही को दूषित नहीं करती है:/Which of the following irregularities of a Magistrate not empowered by Law to do so, does not vitiate the proceedings:

(a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 397 के अन्तर्गत पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अभिलेख मंगाना/calling of record to exercise powers of revision under Section 397 of Code of Criminal Procedure

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 190 की उपधारा (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन किसी अपराध का प्रसंज्ञान लेना/taking cognizance of an offence under clause (a) or clause (b) of sub-section (1) of Section 190 of Code of Criminal Procedure

(c) अपील का निर्णय करना/decision of an appeal

(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 466 के अन्तर्गत पारित आदेश का पुनरीक्षण करना/revision of an order passed under section 466 of Code of Criminal Procedure [b]



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



39. निम्न में से कौनसा अपराध संज्ञेय, गैर जमानती और अशमनीय है:/Which of the following offences is cognizable, non-bailable and non compoundable:
- (a) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 325 के अन्तर्गत दण्डनीय स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना/voluntarily causing grievous hurt, punishable under Section 325 IPC
- (b) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 307 के अन्तर्गत दण्डनीय हत्या करने का प्रयत्न करना/attempt to murder punishable under Section 307 IPC
- (c) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 330 के अन्तर्गत दण्डनीय संस्वीकृति उद्घापित करने या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन कराने के लिए स्वेच्छया उपहति कारित करना/voluntarily causing hurt to extort confession, or to compel restoration of property, punishable under Section 330 IPC
- (d) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 335 के अन्तर्गत दण्डनीय प्रकोपन पर स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना/voluntarily causing grievous hurt on provocation punishable under Section 335 IPC [d]
40. भारतीय दण्ड संहिता का निम्न में से का कौनसा प्रावधान आपराधिक मानववध को परिभाषित करता है?/Which of the following provisions of the Indian Penal Code defines culpable homicide?
- (a) धारा 302/Section 302
- (b) धारा 300/Section 300
- (c) धारा 301/Section 301
- (d) धारा 299/Section 299 [d]
41. अभियुक्त का बयान शपथ पर लिया जा सकता है:/Statement of an accused can be recorded on oath:
- (a) विधि का सही वक्तव्य नहीं है/is not a correct statement of law
- (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 315 के अन्तर्गत/under Section 315 code of criminal procedure
- (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के अन्तर्गत/under Section 313 code of criminal procedure
- (d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 391 के अन्तर्गत/under Section 391 code of criminal procedure [b]
42. निम्न में से कौनसा वक्तव्य विधि अनुसार सही है?/Which of the following is correct statement according to law?
- (a) सह अपराधी, अभियुक्त व्यक्ति के विरुद्ध सक्षम साक्षी होगा/An accomplice shall be competent witness against an accused person
- (b) किसी साक्षी की प्रतिपरीक्षा में सूचक प्रश्न पूछा जा सकता है/Leading question may be asked in cross-examination of a witness
- (c) न्यायालय किसी पक्षकार को अपने ही साक्षी से ऐसे प्रश्न करने की अनुज्ञा दे सकता है, जो प्रतिपक्षी द्वारा प्रतिपरीक्षा में किया जा सकता है/The court may permit a party, who, calls a witness, to put any question to him, which might be put in cross-examination by the adverse party
- (d) उपरोक्त सभी/All the above [d]
43. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 101 के अन्तर्गत सबूत का भार:/Burden of proof





under Section 101 of the Indian Evidence Act, 1872:

- (a) विचारण के दौरान परिवर्तित होता रहता है/goes on shifting as the trial proceeds
 - (b) कभी परिवर्तित नहीं होता है/never shifts
 - (c) परिवर्तित हो सकता है/may shift
 - (d) उक्त (a) व (c) दोनों सही है/both (a) and (c) are correct
- [b]**

44. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 145 के अन्तर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा कार्यवाही निम्न में से किसकी रिपोर्ट पर प्रारम्भ की जाती है?/Proceedings under section 145 of the code of criminal Procedure are initiated by the Executive Magistrate on the report of which of the following?

- (a) न्यायिक मजिस्ट्रेट/Judicial Magistrate
 - (b) पुलिस अधिकारी/Police officer
 - (c) राजस्व अधिकारी/Revenue officer
 - (d) शिकायतकर्ता/Complainant
- [b]**

45. निम्न में से किस न्यायिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने यह धारित किया है कि केवल ऐसे न्यायालय जिनकी प्रादेशिक सीमाओं में भुगतान करने वाला बैंक स्थित है, को ही परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत चैक अनादरण के आपराधिक मामलों की अन्वीक्षा का क्षेत्राधिकार है?/In which of the following judgments has the Supreme Court held that only those courts within whose territorial limits the drawee bank is situated, would have jurisdiction to try the cases for offence under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881?

(a) के. भासकरण बनाम शंकरण वैधन बालन व अन्य (1999) 7 एससीसी 510/K. Bhaskaran vs. Sankaran vaidhyan Balan and Another - (1999) 7 SCC 510

(b) दशरथ रूप सिंह राठौड बनाम महाराष्ट्र राज्य व अन्य (2014) 9 एससीसी 129/Dashrath Rupsingh Rathod vs. State of Maharashtra and Another - (2014) 9 SCC 129

(c) बिहार राज्य व अन्य बनाम कल्याणपुर सीमेंट लिमिटेड (2010) 3 एससीसी 274/state of Bihar and others vs. Kalyan pur cement Limited - (2010) 3 SCC 274

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[b]

46. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 एवं 142 के संदर्भ में निम्न में से विधि का कौनसा कथन सही है?/Which of the following is a correct statement of law as per Sections 138 and 142 of the Negotiable Instruments Act, 1881?

(a) एक चैक को उसके लिखे जाने की दिनांक से छः माह के भीतर या उसकी वैधता की समयावधि में, इनमें से जो भी पूर्व में हो, भुगतान हेतु प्रस्तुत करना होता है।/A cheque is to be presented to the bank within a period of six months from the date it is drawn or within the period of its validity, whichever is earlier

(b) चैक के बैंक से बिना भुगतान के वापिस प्राप्त होने की सूचना मिलने के 30 दिवस के भीतर चैक लिखने वाले को उसका भुगतान किये जाने की मांग की जानी चाहिए/Notice within thirty days of receipt of information from the bank regarding return of cheque as unpaid, has to be served upon



drawer, demanding payment of amount of money

(c) ऐसे चैक लिखने वाले द्वारा नोटिस प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर भुगतान न करने पर पाने वाला अथवा चैक को धारित करने वाले को एक माह की समयावधि में परिवाद को प्रस्तुत करना होता है/on failure of drawer of such cheque to make payment within fifteen days of receipt of such notice, the payee or holder of cheque has to file complaint within one month thereof

(d) उपरोक्त सभी/All the above [d]

47. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अन्तर्गत परिवाद प्रस्तुत करने में हुई देरी क्षम्य की जा सकती है:-/The delay in filing a complaint under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881, can be condoned:

(a) भारतीय परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 5 के अन्तर्गत/under Section 5 of the Indian Limitation Act, 1963

(b) परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत/under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881

(c) परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 142 के अन्तर्गत/under Section 142 of the Negotiable Instruments Act, 1881

(d) परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 143 के अन्तर्गत/under Section 143 of the Negotiable Instruments Act, 1881 [c]

48. निम्न में से किस न्यायिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66-ए को विखण्डित कर दिया?/In which of the following judgments has the Supreme Court

struck down Section 66-A of the Information Technology Act, 2000?

(a) श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ ए. आई. आर. 2015 एस सी 1523/Shreya singhal vs. Union of India - AIR 2015 SC 1523

(b) शेल्वी व अन्य बनाम कर्नाटक राज्य (2010) 7 एससीसी 263/Selvi and others Vs. State of Karnataka - (2010) 7 SCC 263

(c) पीयूसीएल बनाम भारत संघ (1997) 1 एससीसी 301/PUCL Vs. Union of India - (1997) 1 SCC 301

(d) अमर सिंह बनाम भारत संघ (2011) 7 एससीसी 67/Amar singh vs. Union of India - (2011) 7 SCC 67 [a]

49. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 25 के अनुसार दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के अन्तर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा दर्ज किये जाने वाला बालक का कथन:/According to Section 25 of the Protection of children from Sexual offences Act, 2012, statement of a child under Section 164 of the code of Criminal Procedure to be recorded by the Magistrate:-

(a) अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति में दर्ज किया जावेगा/shall be recorded in presence of the advocate of the accused

(b) अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति में दर्ज नहीं किया जावेगा/shall not be recorded in presence of the advocate of the accused

(c) अन्वेषण अधिकारी की उपस्थिति में दर्ज किया जावेगा/shall be recorded in presence of the Investigating Officer



(d) महिला पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में दर्ज किया जावेगा/shall be recorded in presence of woman Police officer

[b]

50. निम्न में से कौनसा कर्तव्य परीक्षा अधिकारी का नहीं है?/Which of the following is not the duty of Probation officer?

(a) परीक्षाधीनों का पर्यवेक्षण करना ओर जहां आवश्यक हो उनके लिए उपयुक्त नियोजन ढूंढने का प्रयास करना/To supervise probationers placed under his supervision and where necessary, endeavour to find them suitable employment

(b) न्यायालय द्वारा आदिष्ट प्रतिकर या खर्चा के संदाय में अपराधियों को सलाह और सहायता देना/To advise and assist offenders in payment of compensation or costs ordered by the court

(c) किसी अपराध के लिए अभियुक्त किसी व्यक्ति की, परिस्थितियों या घर के माहौल की जांच करना/To inquire into the circumstances or home surroundings of any person accused of an offence

(d) परीक्षाधीनों के रहने व खाने की व्यवस्था करना/To arrange for lodging and boarding of the probationers [d]

51. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अन्तर्गत निम्न में से कौनसी शर्तों का पालन बालक से परीक्षण अथवा उसके बयान अभिलिखित करते समय की जानी चाहिए:/Which of following conditions, as per provisions of the Protection of Children from Sexual offences Act, 2012, has to be adhered to while examining or recording statement of the child:

(a) बालक का कथन उसके निवास अथवा ऐसी जगह, जहां वह साधारणतया निवास करता है अथवा उसकी पसन्द के स्थान पर अभिलिखित किया जावेगा/the statement of child shall be recorded at the residence of child or the place where he usually resides or the place of his choice

(b) जहां तक संभव हो, बालक का बयान उप-निरीक्षक की पंक्ति से अन्यून महिला पुलिस अधिकारी, द्वारा अभिलिखित किया जावेगा, जो पुलिस वर्दी में नहीं हो/as far as practicable the statement should be recorded by woman police officer not below the rank of Sub Inspector, who shall not be in uniform

(c) अन्वेषण अधिकारी यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी समय पर बालक अभियुक्त के किसी भी प्रकार के सम्पर्क में न आवे/the Investigating officer shall ensure that at no point of time the child comes in contact in any way with the accused

(d) उपरोक्त सभी/all the above [d]

52. एक प्राइवेट कुंजी एवं उसकी अंक-गणितीय सम्बंधित लोक कुंजी, जो इस प्रकार सम्बंधित है कि प्राइवेट कुंजी से सृजित अंकीय चिन्हक को लोक कुंजी असममित गूढ प्रणाली में सत्यापित कर सकती है, से तात्पर्य है:/A private key and its mathematically related public key, which are so related that the public key, can verify a digital signature created by the private key. in an Asymmetric crypto system means:-

(a) कुंजी युग्म/Key pair

(b) दोनों कुंजी/Both keys

(c) सॉफ्ट कुंजी/Soft keys

(d) सॉफ्ट युग्म/soft pair [a]



53. ऐसा व्यक्ति जो किसी इलेक्ट्रॉनिक संदेश को भेजता है, उसका उत्पादन, भंडारण करता है या किसी अन्य व्यक्ति को पारेषित करता है अथवा किसी इलेक्ट्रॉनिक संदेश को भिजवाता है, उसका उत्पादन, भंडारण कराता है या किसी अन्य व्यक्ति को पारेषित कराता है, कहलाता है: /A person, who sends, generates, stores or transmits any electronic message; or causes any electronic message to be sent, generated, stored or transmitted to any other person, is called:

- (a) प्रेषक/Sender
(b) प्रवर्तक/originator
(c) उत्पादक/Generator
(d) मध्यवर्ती/Intermediary [b]

54. विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 136 के अन्तर्गत एक अभियुक्त को विद्युत लाईन एवं सामग्री के दूसरे और पश्चातवर्ती चोरी के अपराध में दोषी पाये जाने पर क्या न्यूनतम एवं अधिकतम सजा दी जा सकती है: /What is the minimum and maximum sentence that can be awarded to an accused guilty of second or subsequent offence of theft of electric lines and materials under Section 136 of the Electricity Act, 2003:

- (a) एक वर्ष से कम नहीं होगी किन्तु दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना भी जो रूपये एक लाख से कम नहीं होगा/not less than 1 year but which may extend to 10 years and also fine which shall not be less than one lac rupees
(b) छः माह से कम नहीं होगी किन्तु पांच वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना भी जो रूपये दस हजार

से कम नहीं होगा/not less than 6 months but which may extend to 5 years and also fine which shall not be less than ten thousand rupees

(c) तीन माह से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना भी जो रूपये पचास हजार से कम नहीं होगा/not less than 3 months but which may extend to 3 years and also fine which shall not be less than fifty thousand rupees

(d) नौ माह से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना भी जो रूपये एक लाख से कम नहीं होगा/not less than 9 months but which may extend to 3 years and also fine which shall not be less than one lac rupees [b]

55. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 78 के अन्तर्गत साइबर अपराध का अन्वेषण करने वाला एक पुलिस अधिकारी किस दर्जे से नीचे का नहीं होना चाहिए: /A police officer empowered to investigate cyber crime as per Section 78 of the Information Technology Act, 2000, must not be below the rank of:

- (a) उप-निरीक्षक/Sub Inspector
(b) निरीक्षक/Inspector
(c) पुलिस उप-अधीक्षक/Deputy Superintendent of Police
(d) पुलिस अधीक्षक/Superintendent of Police [b]

56. निम्न में से किस न्यायिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस निर्णय को अपास्त किया, जिसमें भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 377 को निर्दोषी घोषित किया था: /In which of the following judgments





did the Supreme Court set aside the judgment of the High Court of Delhi which decriminalized Section 377 of the Indian Penal Code, 1860:

(a) साक्षी बनाम भारत संघ - एआईआर 2004 एससी 3566/Sakshi vs. Union of India - AIR 2004 SC 3566

(b) नाज फाउण्डेशन (इण्डिया) ट्रस्ट बनाम सुरेश कुमार कौशल (2014) 3 एससीसी 220/Naz Foundation (India) Trust vs. Suresh Kumar Koushal - (2014) 3 SCC 220

(c) पी यू सी एल बनाम भारत संघ (2010) 14 एससीसी 245/PUCL Vs. Union of India - (2010) 14 SCC 245

(d) सुरेश कुमार कौशल बनाम नाज फाउण्डेशन (इण्डिया) ट्रस्ट (2014) 1 एससीसी 1/Suresh Kumar Kaushal vs. Naz Foundation (India) Trust (2014) 1 SCC 1 [d]

57. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989, की धारा 3(1) के अन्तर्गत निम्न में से कौनसा कृत्य 'अत्याचार' गठित होता है:/Which of the following acts constitute 'Atrocity' as defined in Section 3(1) of the scheduled Castes and scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989?

(a) अखाद्य या घृणाजनक पदार्थ पीने या खाने के लिए मजबूर करना/Forcing to drink or eat any inedible or obnoxious substances

(b) जनता को दृष्टिगोचर किसी स्थान में अपमान करने के आशय से साशय अपमानित या अभिन्नस्त करना/Intentionally insulting or intimidating with intent to humiliate in any place within public view

(c) मतदान न करने के लिए या किसी विशिष्ट अभ्यर्थी के लिए मतदान करने के लिए या विधि

द्वारा उपबंधित से भिन्न रीति से मतदान करने के लिए मजबूर या अभिन्नस्त करना/Forcing or intimidating not to vote or to vote for a particular candidate or vote in a manner other than provided by law
(d) उपरोक्त सभी/All the above [d]

58. स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत परीविक्षा का लाभ अपराध के एक दोषसिद्ध को केवल तब ही प्रदान किया जा सकता है, यदि:/Benefit of probation to a convict of offence under the Narcotic Drugs and Psychotropic substances Act, 1985 can be provided only if:

(a) वह 21 वर्ष से कम आयु का है एवं स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 26 या 27 के दण्डनीय अपराध में दोषसिद्ध किया गया है/he is under 21 years of age and is convicted for offence punishable under Section 26 or 27 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985

(b) वह 18 वर्ष से कम आयु का है या स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 26 या 27 के दण्डनीय अपराध में दोषसिद्ध किया गया है/he is under 18 years of age or is convicted for offence punishable under Section 26 or 27 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985

(c) किसी भी अभियुक्त को, बिना उसकी उम्र को ध्यान रखे, जो 10 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित किया गया है/to any accused, regardless of his age, sentenced to rigorous imprisonment up to 10 years
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [b]





59. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2000 की धारा 2(ठ) के अनुसार कौन "विधि का उल्लंघन करने वाला किशोर" है?/Who, as per Section 2(1) of the Juvenile Justice (Care and Protection of children) Act, 2000, is a 'Juvenile in conflict with law'?

(a) एक किशोर, जिसके बारे में यह अभिकथन है कि उसने कोई अपराध कारित किया है और ऐसा अपराध करने की तारीख को उसने 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है/A Juvenile who is alleged to have committed an offence and has not completed eighteen years of age as on the date of commission of such offence

(b) एक किशोर, जिसके बारे में यह अभिकथन है कि उसने कोई अपराध कारित किया है और ऐसा अपराध करने की तारीख को उसने 12 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है/A Juvenile who is alleged to have committed an offence and has not completed twelve years of age on the date of commission of such offence

(c) एक किशोर, जिसके बारे में यह अभिकथन है कि उसने कोई अपराध कारित किया है और ऐसा अपराध करने की तारीख को उसने 16 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है/A Juvenile who is alleged to have committed an offence and has not completed sixteen years of age on the date of commission of such offence

(d) एक किशोर, जिसके बारे में यह अभिकथन है कि उसने कोई अपराध कारित किया है और ऐसा अपराध करने की तारीख को उसने 14 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है/A Juvenile who is alleged to have committed an offence and has not completed fourteen years of

age on the date of commission of such offence [a]

60. निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है:/Which of the following statements is not correct:

(a) राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक या अधिक किशोर न्याय बोर्ड गठित किये जावेगे/one or more Juvenile Justice Boards shall be constituted by the State Government for every district

(b) प्रत्येक किशोर न्याय बोर्ड में एक महानगर मजिस्ट्रेट या एक न्यायिक मजिस्ट्रेट और दो सामाजिक कार्यकर्ता, जिनमें से कम से कम एक महिला हो, होंगे/each Juvenile Justice Board shall consists of a Metropolitan Magistrate or a Judicial Magistrate and two social workers, of whom at-least one shall be a woman

(c) किशोर न्याय बोर्ड की कार्यवाही में किसी भी प्रक्रम पर किसी सदस्य के अनुपस्थित रहने पर पारित किया गया आदेश अविधिमान्य होगा/the order passed by the Juvenile Justice Board in absence of any Member at any stage of proceedings shall be invalid

(d) किशोर न्याय बोर्ड की शक्तियां उच्च न्यायालय और सेशन न्यायालय द्वारा भी प्रयोग की जा सकेगी, जब कार्यवाही अपील, पुनरीक्षण में या अन्यथा उनके समक्ष आये/power of the Juvenile Justice Board may also be exercised by the High Court and the court of Sessions when Court and the Court of Sessions, when the proceedings come before them in appeal, revision or otherwise [c]





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

61. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 32 के अन्तर्गत एक व्यक्ति का कथन, जो मर चुका है, सुसंगत है:/Under Section 32 of the Indian Evidence Act, 1872, statement of a person, who is dead, is relevant:

(a) यदि वह किसी अन्य व्यक्ति की मृत्यु के कारण के संबंध में है/if it relates to cause of someone else's death

(b) यदि वह स्वयं की मृत्यु या किसी अन्य व्यक्ति की मृत्यु के कारण के संबंध में है/if it relates to cause of his own death or someone else's death

(c) यदि वह स्वयं की मृत्यु के कारण के संबंध में है/if it relates to the cause of his own death

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [c]

62. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 136-क एक अभियुक्त जिसके विरुद्ध अन्वीक्षा लम्बित है, की जमानत स्वीकार करने का प्रावधान करती है, यदि:/Section 436-A of the Code of Criminal Procedure, 1973, provides for grant of bail to an accused pending trial if:

(a) वह अन्वीक्षाधीन अपराध के लिए विनिर्दिष्ट कारावास की एक चौथाई अवधि का निरोध भुगत चुका है/he has undergone detention for one-fourth period of imprisonment specified for the offence for which he is being tried

(b) वह अन्वीक्षाधीन अपराध के लिए विनिर्दिष्ट कारावास की एक तिहाई अवधि का निरोध भुगत चुका है/he has undergone detention for one-third period of imprisonment specified for the offence for which he is being tried

(c) वह अन्वीक्षाधीन अपराध के लिए विनिर्दिष्ट कारावास की आधी अवधि का निरोध भुगत चुका है/he has undergone detention for one-half period of imprisonment specified for the offence for which he is being tried

(d) उपरोक्त में से (a) व (b)/(a) and (b) above [c]

63. जो तथ्य, विवाद्य न होते हुए भी किसी विवाद्यक तथ्य से उस प्रकार संसक्त है कि वे एक ही संव्यवहार के भाग हैं, चाहे वे उसी समय और स्थान पर या विभिन्न समों और स्थानों पर घटित हुए हों:/Facts, which, though not in issue, are so connected with a fact in issue as to form part of the same transaction, whether they occurred at the same time and place or at different times and places:

(a) असंगत हैं/are irrelevant

(b) सुसंगत हैं/are relevant

(c) आंशिक रूप से सुसंगत हैं/are partly relevant

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/none of the above [b]

64. भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के प्रावधान अनुसार निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?/Which of the following statements, as per provisions of the Indian Evidence Act, 1872, is not correct?

(a) वे तथ्य जो किसी विवाद्यक तथ्य से असंगत हैं, सुसंगत नहीं होंगे/Facts which are inconsistent with any fact in issue, shall not be relevant



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking LawsTM©Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



(b) वे तथ्य, जो अन्यथा सुसंगत नहीं है, सुसंगत है, यदि वे स्वयंमेव या अन्य तथ्यों के संसर्ग में किसी विवाद्यक तथ्य या सुसंगत तथ्य का अस्तित्व या अनस्तित्व अत्यन्त अधिसंभाव्य या अनाधिसंभाव्य बनाते हैं/Facts not otherwise relevant are relevant if by themselves or in connection with other facts, they make the existence or non-existence of any fact in issue or relevant fact highly probable or improbable

(c) कोई भी तथ्य, जो किसी विवाद्यक तथ्य या सुसंगत तथ्य का हेतु या तैयारी दर्शित या गठित करता है, सुसंगत है/Any fact is relevant, which shows or constitutes a motive or preparation for any fact in issue or relevant fact

(d) स्वीकृतियां, स्वीकृत विषयों का निश्चयक सबूत नहीं है, किन्तु भारतीय साक्ष्य अधिनियम में अन्तर्विष्ट उपबंधों के अधीन विबन्ध के रूप में प्रवर्तित हो सकेंगे/Admissions are not conclusive proof of the matters admitted, but they may operate as estoppels under the provisions of the Indian Evidence Act, 1872 [a]

65. किसी व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उस पर किये गये नारको एनेलिसिस, पोलिग्राफ टेस्ट और ब्रेन इलेक्ट्रीकल एक्टिवेशन प्रोफाइल टेस्ट, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20(3) में संरक्षित अधिकार एवं अनुच्छेद 21 में संरक्षित दैहिक स्वतंत्रता के उसके अधिकारों का हनन करता है, ऐसा सर्वोच्च न्यायालय ने निम्न में से किस निर्णय में अभिनिर्धारित किया है:/Narcoanalysis, polygraph test and brain electrical activation profile test conducted against will of the person subjected to such tests, violates his right protected

under Article 20(1), and right to personal liberty protected under Article 21 of the Constitution of India, was held by the Supreme Court in which of the following cases:

(a) वकार एवं अन्य बनाम उत्तरप्रदेश राज्य (2011) 3 एससीसी 306/Wakkar and Another vs. State of Uttar Pradesh - (2011) 3 SCC 306

(b) मुन्ना कुमार उपाधाय बनाम आंध्रप्रदेश राज्य (2012) 6 एससीसी 174/Munna Kumar Upadhyay vs. State of Andhra Pradesh - (2012) 6 SCC 174

(c) जगरूप सिंह बनाम पंजाब राज्य (2012) 11 एससीसी 768/Jagroop singh vs. State of Punjab - (2012) 11 scc 768

(d) सेलवी व अन्य बनाम कर्नाटक राज्य (2010) 7 एससीसी 263/Selvi and others vs. State of Karnataka - (2010) 7 SCC 263 [d]

66. कथन 'क' - जब सैशन्स न्यायालय मृत्यु का दण्डादेश पारित करता है तो सामान्य नियम (आपराधिक) 1980 के नियम 102 के अनुसार बंदी को समुचित प्रारूप में वारन्ट द्वारा उस जेल में भेजेगा जहाँ से वह अपने विचारण के लिए आया था और मृत्यु दण्डादेश उदघोषित किये जाने के चौथे दिन तक उच्च न्यायालय को अपनी कार्यवाहियां प्रस्तुत करेगा

कथन 'ख' - जब सैशन्स न्यायालय एक महिला बंदी के विरुद्ध मृत्यु दण्डादेश पारित करता है तो वह सामान्य नियम (आपराधिक) 1980 के नियम 104 के अनुसार ऐसे बंदी स्वयं से जांच के बाद यह विचारित करेगा, यदि आवश्यक हो, कि क्या वह गर्भवती है और यदि वह समझता है कि ऐसा संभावित है तो वह उसका परीक्षण जिला चिकित्सा अधिकारी या अन्य ऐसे चिकित्सक जिसे वह ठीक समझे से करायेगा





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

और यदि यह पाता है कि वह वास्तव में गर्भवती है तो उच्च न्यायालय को इसकी रिपोर्ट भेजेगा

Statement 'A' - when a court of Sessions passes a sentence of death, the court shall, according to Rule 102 of the General Rules (Criminal) 1980, commit the prisoner by a warrant in the appropriate form to the jail from which he came to stand his trial, and shall submit its proceedings to the High Court at the latest on the fourth day after the sentence of death has been pronounced.

Statement 'B' - when a court of Sessions passes a sentence against a female prisoner to death, according to Rule 104 of the General Rules (criminal) 1980, it shall consider after enquiring from such prisoner herself, if necessary, whether she is pregnant and if it thinks that it is likely, it shall have her examined by the District Medical officer or such other doctor as it may consider fit and if it finds that she is in fact pregnant, it shall make a report to the High Court.

- (a) उपर्युक्त दोनों ही कथन सही है/Both the aforesaid statements are correct
(b) कथन (अ) सही है और कथन (ब) गलत है/Statement 'A' is correct and Statement 'B' is incorrect
(c) कथन (ब) सही है और कथन (अ) गलत है/Statement 'B' is correct and Statement 'A' is incorrect

(d) उपरोक्त में से कोई सही नहीं है/None of them is correct [a]

67. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 53 में कितने प्रकार के दण्डों का प्रावधान है/How many kinds of punishment are provided in Section 53 of the Indian Penal Code, 1860?

- (a) छः/six
(b) चार/Four
(c) पांच/Five
(d) सात/Seven [c]

68. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 73 एवं 74 के अनुसार किसी दोषसिद्ध को दिये गये दण्ड के किसी भाग अथवा भागों की अवधि के लिए एकान्त परिरोध में रखा जा सकता है। निम्न में से कौनसा सही नहीं है?/According to Sections 73 and 74 of the Indian Penal Code, 1860, a convict can be kept in solitary confinement for any portion or portions of imprisonment to which he is sentenced. Which of the following is incorrect?

- (a) कुल मिलाकर तीन माह की अवधि से अधिक न हो/For period not exceeding three months in the whole
(b) यदि सजा की अवधि छः माह से अधिक और एक वर्ष से अधिक नहीं है तो तीन माह की अवधि से अधिक नहीं/For period not exceeding three months, if the term of the imprisonment exceeds six months and does not exceed one year
(c) यदि सजा की अवधि एक वर्ष से अधिक है तो तीन माह की अवधि से अधिक नहीं/For period not exceeding three months if the





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

term of imprisonment exceeds one year

(d) किसी भी अवस्था में एकान्त परिरोध की अवधि एक बार में 14 दिवस से अधिक नहीं होगी/The solitary confinement in no case shall exceed 14 days at a time [b]

69. क यह जानता है कि य एक झाड़ी के पीछे है। ख यह नहीं जानता। य की मृत्यु करने के आशय से या यह जानते हुए कि उससे य कि मृत्यु कारित होना संभाव्य है, ख को उस झाड़ी पर गोली चलाने के लिए क उत्प्रेरित करता है। ख गोली चलाता है और य को मार डालता है। क और ख द्वारा क्या अपराध कारित किया गया है?

A knows Z to be behind a bush. B does not know it. A, intending to cause, or knowing it to be likely to cause z's death, induces B to fire at the bush. B fires and kills z.

What offence has been committed by A and B?

(a) क और ख दोनों भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के अन्तर्गत अपराध कारित करने के दोषी होंगे/A and B both would be guilty of committing offence punishable under Section 302 IPC

(b) क भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के अन्तर्गत अपराध कारित करने का दोषी होगा जबकि ख भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 भाग II का अपराध कारित करने का दोषी होगा/while A would be guilty of committing offence under Section 302 IPC, B would be guilty of committing offence under Section 304 Part II, IPC,
(c) क भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के अन्तर्गत अपराध कारित करने का दोषी होगा जबकि ख किसी अपराध का दोषी नहीं होगा/A would

be guilty of committing offence punishable under Section 302 IPC, B would be guilty of no offence

(d) क और ख दोनों भारतीय दण्ड संहिता 304 भाग-I के अन्तर्गत अपराध कारित करने के दोषी होंगे/A and B both would be guilty of committing offence punishable under Section 304 Part-I of the IPC

[c]

70. एक शिशु य के साथ क एक जलते हुए गृह में है। गृह के नीचे लोग एक कम्बल तान लेते हैं। क उस शिशु को यह जानते हुए कि संभाव्य है कि गिरने से वह शिशु मर जाए किन्तु उस शिशु को मार डालने का आशय न रखते हुए और सद्-भावपूर्वक उस शिशु के फायदे के आशय से गृह-छत पर से नीचे गिरा देता है एवं शिशु की मृत्यु हो जाती है:

क ने निम्न में से कौनसा अपराध कारित किया है?

A is in a house which is on fire, with z, a child. People below hold out a blanket. A drops the child from the house-top, knowing it to be likely that the fall may kill the child but not intending to kill the child, and intending, in good faith, the child's benefit, and the child dies:

Which of the following offence has been committed by A?

(a) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 304-क/Section 304-A, of Indian Penal Code, 1860

(b) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 304 भाग II/Section 304 part II, of Indian Penal Code, 1860



🌐 : www.linkinglaws.com

✉ : Support@linkinglaws.com

📍 : Jodhpur

👤 Linking Laws

👤 Linking Laws™@Tansukh Sir

☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE



- (c) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 302/Section 302, of Indian Penal Code, 1860
(d) क ने कोई अपराध कारित नहीं किया है/A has committed no offence [d]
71. वे शब्द जो किसी संस्कृत या प्राकृत मूल से निकले हुए नहीं जान पड़ते और जिनकी व्युत्पत्ति का पता नहीं लगता, कहलाते हैं:
(a) तत्सम
(b) व्यंजन
(c) देशज
(d) खड़ी बोली [c]
72. स्वर, व्यंजन, विसर्ग किसके विभिन्न प्रकार हैं:
(a) विशेषण
(b) संज्ञा
(c) सर्वनाम
(d) संधि [d]
73. जिस सर्वनाम से वक्ता के पास अथवा दूर की किसी वस्तु का बोध होता हो, को कहते हैं:
(a) निजवाचक सर्वनाम
(b) निश्चयवाचक सर्वनाम
(c) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(d) संबंधवाचक सर्वनाम [b]
74. संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध निर्धारित करने वाले तत्व कहलाते हैं:
(a) विशेषण
(b) अव्यय
(c) क्रिया
(d) कारक [d]
75. दो या अधिक शब्दों के परस्पर संबंध बताने वाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर, दो या अधिक शब्द में से जो एक स्वतंत्र शब्द बनता है, कहलाता है:
(a) समास
(b) उपसर्ग
(c) विशेषण
(d) संज्ञा [a]
76. 'हाय! अब मैं क्या करूं। किस प्रकार का अव्यय है:
(a) क्रिया विशेषण
(b) संबंध सूचक
(c) समुच्चयबोधक
(d) विस्मयादिबोधक [d]
77. क्रिया के उस रूपान्तरण को, जिससे क्रिया के व्यापार का समय तथा उसकी पूर्ण अथवा अपूर्ण अवस्था - का बोध होता है, को कहते हैं:
(a) समास
(b) सर्वनाम
(c) काल
(d) कारक [c]
78. निम्न में से कौनसा शब्द "चांदनी" का समानार्थी नहीं है?
(a) चन्द्रिका
(b) कोमुदी
(c) ज्योत्स्ना
(d) कालत्र [d]
79. निम्न में से कौनसा 'विलोम-युग्म' सही है:
(a) निष्काम-सकाम
(b) निकट-सन्निकट
(c) नाश-विनाश
(d) मितव्ययी-अल्पव्ययी [a]
80. मूल पत्र की प्रतिलिपि किसी विभाग को प्रेषित की जाती है, उसे क्या कहते हैं:
(a) पृष्ठांकन
(b) प्रेस विज्ञप्ति
(c) परिपत्र



- (d) प्रस्ताव [a] **Note: Identify the tense in the following sentence :**
81. 'घर की मुर्गी दाल बराबर', कहावत का अर्थ है:
(a) घर की मुर्गी को दाल के बराबर मूल्यवान समझना
(b) घर की मुर्गी को बराबर दाल खिलाना
(c) मुर्गी व दाल खाना
(d) अपने आदमी को कम महत्व देना [d]
82. "साधाचरण" शब्द का संधि विच्छेद किस क्रम में है:
(a) साधु + आचरण
(b) साध + आचरण
(c) साधव + चरण
(d) साधु + चरण [a]
83. 'नीलोत्पलम्' में समास है:
(a) तत्पुरुष
(b) कर्मधारय
(c) बहुव्रीहि
(d) अव्ययीभाव [b]
84. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द 'विद्युत' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) तडित
(b) चपला
(c) कोदंड
(d) चंचला [c]
85. 'जिन ढूँढा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ लोकोक्ति का अर्थ है:
(a) बिना प्रयास के लाभ होना
(b) काम करने में शीघ्रता करना
(c) परिश्रम का फल अवश्य मिलता है
(d) सांसारिकता में लिप्त रहकर ईश्वर को प्राप्त करना [c]
86. I am pleading for the preservation of trees
(a) simple Present Tense
(b) Past Tense
(c) Present continuous Tense
(d) Past continuous Tense [c]
87. Fill in the blank with correct form of verb:
My sister saw a snake while she in the garden
(a) was walking
(b) walks
(c) Is walking
(d) were walking [a]
88. Pick up the correct synonym for the word:
STUBBORN
(a) Easy
(b) obstinate
(c) willing
(d) Pliable [b]
89. Choose the word opposite in the meaning to the word:
ARBITRARY
(a) Dictatorial
(b) Autocratic
(c) High handed
(d) Methodical [d]

Note: In next two questions, choose the alternative which best expresses the meaning of the idiom/phrase.





90. 'A man of weight'

- (a) A fat person
 - (b) To truthful and trustworthy man
 - (c) A man of importance
 - (d) A notorious man
- [c]

91. 'A fool's paradise'

- (a) Paradise of idiots
 - (b) A state of happiness for foolish reasons
 - (c) To live in the past
 - (d) To remain in the state of day dreaming
- [b]

Note: In the next three questions, identify the correct indirect speech.

92. The policeman said to us, where are you going'?

- (a) The Policeman asked to us where we are going.
 - (b) The policeman told us where we were going.
 - (c) The Policeman enquired where we were going.
 - (d) The Policeman said where were we going.
- [c]

93. 'Call the first witness', said the Judge.

- (a) The Judge asked for calling first witness.
- (b) The Judge commanded them to call the first witness.
- (c) The Judge said to call the first witness.

- (d) The Judge requested to call for first witness.
- [b]

94. She said to me, "I shall play now."

- (a) she told me that she should play now.
 - (b) she told me that she should play then.
 - (c) She told me that she would play now.
 - (d) She told me that she would play then.
- [d]

Note: In the next two questions mark the correct passive voice of the given sentence.

95. Someone gave her a bulldog

- (a) She was given a bulldog
 - (b) A bulldog was given to her by someone.
 - (c) she has been given a bulldog.
 - (d) She is being given a bulldog by someone.
- [b]

96. Mona was writing a letter to her father

- (a) A letter was written to her father by Mona.
 - (b) A letter has been written to her father by Mona.
 - (c) A letter was being written by Mona to her father.
 - (d) A letter was written by Mona to her father.
- [c]





Note: In the next three questions choose the correct option to fill in the blanks.

97. rich should help
poor.

- (a) A, a
- (b) The, a
- (c) The, an
- (d) The, the

[d]

98. pupil should obey his
teacher.

- (a) A
- (b) The
- (c) An
- (d) X

[a]

99. Kalidas is Shakespeare of
India.

- (a) a
- (b) an
- (c) the
- (d) x

[c]

100. What do you mean by 'ACTUS
CURIAE NEMINEM GRAVABIT'

- (a) A personal right of action dies with the person
- (b) The law holds no man responsible for the act of God
- (c) An act of the court shall prejudice no man
- (d) None

[b]





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

NOTE : Following subjects are removed from the current syllabus:-

1. Arbitration and Conciliation Act, 1996
2. Rajasthan Land Revenue Act, 1956
3. Rajasthan Tenancy Act, 1955
4. Hindu Law
5. Muslim Law
6. Legal Services Authorities Act
7. Raj Guaranteed delivery of public services Act
8. Raj right to hearing act
9. Rajasthan Panchayati Raj Act
10. Rajasthan Municipalities Act
11. Raj Agricultural Credit Operations Act,
12. Raj Court Fees & Suits Valuation Act
13. Rajasthan Stamp Act, 1998
14. Registration Act, 1908
15. Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012,
16. Raj relief of agricultural indebtedness Act
17. General rules(civil)
18. General rules(criminal)
19. Electricity Act, 2003
20. SC/ST (Prevention of Atrocities) Act
21. Easements Act, 1882
22. Sale of goods Act
23. Law of Torts
24. Narcotic Drugs and Psychotropic Substances
25. Partnership Act
26. Information Technology Act

linkinglaws.com

🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📺 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

▶ SUBSCRIBE

